मई माह के पहले पखवाड़े में तापमान सामान्य से कम रहा है वह लगातार मौसम में परिवर्तन देखने को मिल रहा है । कहीं–कहीं अच्छी बारिश भी हुई है तथा कपास की बिजाई हो गई है । अगर इसी तरह का मौसम रहता है तो किसान भाई कपास की बिजाई मई माह के अंत तक कर सकते हैं ।

- जून माह में कपास की बिजाई न करें। बिजाई से पहले पलेवा गहरा लगाएं, बिजाई सुबह या शाम के समय की जानी चाहिए। पूर्व से पश्चिम की दिशा में कपास की बिजाई लाभकारी होती है।
- देसी कपास की बिजाई अब न करें, इस से पौध जलने की समस्या आ सकती है।
- खेत की तैयारी सुबह या शाम को ही करें तथा बिजाई के बाद खरपतवार के लिए स्टोम्प 2 लीटर प्रति एकड़ का छिड़काव करें ।
- जो किसान भाई टपका विधि से बीटी कपास की बिजाई करना चाहते हैं वह जब तक जमाव नहीं होता तब तक रोज 10 से 15 मिनट सुबह–शाम ड्रिप अवश्य चलाएं व जमाव के बाद हर चौथे दिन लगभग 30 से 35 मिनट ड्रिप चलाएं।
- धूल भरी आंधी के बाद जहां नरमा के पत्ते मुरझाए या जले हुए लग रहे हो वहां किसान भाई ड्रिप या फवारा विधि से पानी लगाएं।

उर्वरक

- किसान भाई मिट्टी की जांच अवश्य करवाएं, मिट्टी की जांच के आधार पर ही पोषक तत्व की मात्रा तय की जानी चाहिए। बी टी कपास की बिजाई के समय एक एकड़ में एक बैग यूरिया, एक बैग डी.ए.पी, 30 से 40 किलो ग्राम पोटाश व 10 किलो ग्राम जिंक सल्फेट (21 प्रतिशत खेत की तैयारी के समय अवश्य डालें।

बी टी कपास की उन्नत किस्में

- किसान भाई बी टी कपास का विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किया हुआ बीज ही लें (सूचि सलंग्न)। इसकी जानकारी के लिए आप जिले के कृषि विभाग या कृषि विज्ञान केंद्र से संपर्क कर सकते हैं। बी टी कपास का बीज प्रमाणित संस्था या अधिकृत विक्रेता से ही लें तथा इसका पक्का बिल अवश्य लें।

बीज की मात्रा

- बीटी कपास के दो पैकेट प्रति एकड़ के हिसाब से बिजाई करें। कतार से कतार व पौधे से पौधे की दूरी 100 x 45 सेंटीमीटर या 67.5 x 60 सेंटीमीटर रखें।

कीट प्रबंधन

- वर्तमान में गुलाबी सुंडी के प्रति बी टी कपास का प्रतिरोधक बीज उपलब्ध नहीं है अतः 3G, 4G एवं 5G के नाम से आने वाले बीजों से सावधान रहें।
- गुलाबी सुण्डी बी टी नरमे के दो बीजों (बिनौले) को जोड़कर 'भंडारित लकड़ियों' में निवास करती है, इसलिए लकड़ी व बिनौलों का भण्डारण सावधानीपूर्वक करें ।

- **किसान भाई अपने खेत में या आसपास रखी गई पिछले साल की नरमा की लकड़ियों के टिन्डे एवं पत्तों को झटका कर अलग कर दें एवं इक्कठा हुए कचरे को नष्ट कर दें। इन लकड़ियों के टिन्डो में गुलाबी सुंडी निवास करती है अतः यह कार्य बिजाई से पहले जरूर कर लें।**
- जिन किसान भाइयों ने अपने खेतों में बी टी नरमा की लकड़ियों को भंडारित करके रखा है या उनके खेतों के आसपास कपास की जिनिंग व बिनौलों से तेल निकालने वाली मिल लगती है उन किसानों को अपने खेतों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि इन किसानों के खेतों में गुलाबी सुण्डी का प्रकोप अधिक होता है।
- कपास की शुरुआती अवस्था में ज्यादा जहरीले कीटनाशको का प्रयोग ना करें। ऐसा करने से मित्र कीटों की संख्या भी कम हो जाती है।
- विश्वविद्यालय द्वारा कपास की खेती के लिए हर 15 दिन में वैज्ञानिक सलाह जारी की जाती है अतः उसके अनुसार ही सस्य क्रियांए एवं कीटनाशकों का प्रयोग करें।

रोग प्रबंधन

- जड़ गलन रोग से प्रभावित पौधों के आसपास के स्वस्थ पौधों में कार्बेंडाजिम (2 ग्राम प्रति लीटर का घोल) बनाकर 400 से 500 मिलीलीटर जड़ों में डालें।
- बीमारी से सूखे हुए पौधों को उखाड़ दे ताकि बीमारी को आगे बढ़ने से रोका जा सके।
- फसल की लगातार निगरानी रखनी चाहिए व् पती मरोड़ रोग से ग्रस्त पौधों को उखाड़ कर दबा देना चाहिए।
- जिन क्षेत्रों में दीमक की समस्या हो वहां उपयुक्त उपचार के बाद बीज को थोड़ा सुखाकर 10 मिली लीटर क्लोरपाइरीफॉस 20 ई. सी. व 10 मिली लीटर पानी प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर थोड़ा–थोड़ा बीज पर छिड़के व अच्छी तरह मिलाएं तथा बाद में 30 – 40 मिनट बीज को छाया में सुखाकर बिजाई करें।

अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करें

8002398139 7015105638 9812700110 9416530089 9041126105 9992911570 9466812467 8901047834

कपास अनुभाग, आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग

अनुसंधान निदेशालय,चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय , हिसार

उत्तरी भारत में खरीफ 2025 के लिए बी टी कपास की अनुशंसित संकर किस्में

Sr. No.	Hybrid	Sponsoring Company
1.	ACH 133-2	Ajeet Seeds Pvt Ltd
2.	ACH 177-2	
3.	ACH 33-2	
4.	ACH 155-2	
5.	ACH 945-2	
6.	ACH 955-2	
7.	ACH 999-2	
8.	ACH 559-2	
9.	ACH 902-2	
10.	ANKUR 3224	Ankur Seed Pvt Ltd
11.	ANKUR 3228	
12.	ANKUR 3244	
13.	ANKUR 5642	
14.	ANKUR 999 (Haryana only)	
15.	ANKUR 555 (Haryana only)	
16.	ANKUR JASSI	
17.	ANKUR 101 (Haryana only)	
18.	RAGHUVIR	
19.	ARCH 220	
20.	841-2	Bioseed Research Ltd
21.	846-2	
22.	GBCH 95 (Haryana only)	Green Gold Seed
23.	GBCH 85 (Haryana only)	
24.	KCH 172	Kaveri Seeds Pvt Ltd
25.	KCH 999	
26.	KCH 307	
27.	KCH 9323	
28.	KCH 9333	
29.	KCH 9355	
30.	KDCH 441	Krishidhan Seeds Pvt Ltd
31.	KDCH 641	
32.	KDCHH 621	
33.	KSCH 207	Kohinoor Seeds
34.	KSCH 211 (Haryana only)	
35.	KSCH 218 (Haryana only)	
36.	MRC 7301	Mahyco Pvt Ltd
37.	MRC 7361	
38.	MRC 7365	
39.	VICH 308	
40.	VICH 309	
41.	VICH 310	
42.	MRC 7041	
43.	C 352	
44.	C 9314	
45.	C 9313	
46.	NCS 4455	Nuziveedu Seeds

47.	NCS 9002	
48.	NCS 9024	
49.	NCS 459	
50.	NCS 495	
51.	NCS 855	
52.	NCS 857	
53.	NCS 9013	
54.	PCH 225	Prabhat Agri Biotech
55.	PCH 879	
56.	PCH 9611	
57.	PRCH 333	Pravardhan Seed
58.	PRCH 7799 (Haryana only)	
59.	MH 5302	Rallis India Ltd
60.	MH 5304 (Haryana only)	
61.	MC 5403	
62.	MC 5408	
63.	MC 5410	
64.	RCH 314	Rasi Seed Pvt Ltd
65.	RCH 650	
66.	RCH 653	
67.	RCH 776	
68.	SHAKTI 9	
69.	RCH 605 (Haryana only)	
70.	RCH 773	
71.	RCH 791 (Haryana only)	
72.	RCH 938	
73.	RCH 951	
74.	RCH 846	
75.	RCH 926	
76.	RCH 960	
77.	RCH 983	
78.	RCH 1136	
79.	RCH 1101	
80.	RCH 1139	
81.	RCH 997	
82.	RCH 1103	
83.	SOLAR 77	Solar Agro Pvt Ltd
84.	SUPER 544	Super seed Pvt Ltd
85.	SUPER 721	
86.	SUPER 965	
87.	SUPER 971	
88.	SWCH 4735	Seed Works Pvt Ltd
89.	SWCH 4750	
90.	SWCH 4768	
91.	SOLAR 75	Solar Agro Pvt Ltd
92.	SWCH 4744	Seeds Works Pvt Ltd
93.	SWCH 4755	
94.	SO7H878	Tierra Agrotech Ltd